

831948

१ श्री गणेशाय ॥ ॥ नात्री वायव
ददा कादाव मसस्य वादा हिन
भाउ स्या कसिय ॥ १ ॥ नादि अ
ति वलु नादाव नादि सुन साक
सुन माद स्या कसिय ॥ २ ॥ ख
चिने दाय खचिने न्य कस्य नादि
सुनी वपि लु कसु ससिय ॥ ३ ॥ वा
यया द आवदि स्य सुन साव क
वात सिय ॥ ४ ॥ न कसु खा द अ
ग वाग या नादि सिय ॥ ५ ॥ वल
वल का क खचिने खा द अ
या नादि सिय ॥ ६ ॥ नादि का व सु सु
न सा कि मिया सिय ॥ ७ ॥ न कसु ना
दि वा क या द सुन सा अति न हं डा
सिय ॥ ८ ॥ नादि क क तु ला व आवदि
सु सुन सा ग ह नि वाव सिय ॥ ९ ॥ ख
चिने नि क खचिने क तु अ वा नि
वाव सिय ॥ १० ॥ नादि का दा व या
य ल द दा व चिने अ क पि रु या सि
य ॥ ११ ॥ नादि न कसु खा द सु निया
त सिय ॥ १२ ॥ नादि न कसु सु गु थ
सु नि व वल वल सु वे ग न म न सा म
नृ ष्य इ ख न सिय ॥ १३ ॥ दा स द थ
नादि सु न न दा व म हि द सिय ॥ १४ ॥
थ का थ का न व व व दा व नादि सु
नी व अ हा ना प्र चि म्वा यि व सिय ॥
॥ १५ ॥ वा प या दा व ल ल वा दा व
नादि सु न दा सु र न न पू द सिय ॥